माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

मु.उ.पु. 24 पृष्ठ

कार्यालयीन उपयोग के लिए

परीक्षा के नाम की सील: [stamp, illegible]

निम्न रिक्तियों की सही प्रविष्टि परीक्षार्थी द्वारा की जाए।

1. विषय कोड 401 परीक्षा का विषय हिन्दी
2. परीक्षा का माध्यम English परीक्षा की दिनांक 19/03/09
3. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का पूर्ण कोड नम्बर (सेट A, B, C,या D) अनिवार्यतः भरें — कोड: T-1002 सेट: —

केन्द्र क्रमांक की सील

432030

2009

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

[redacted]

4. परीक्षार्थी का अनुक्रमांक (अंग्रेजी अंकों में)

1	9	4	3	2	3	3	0	6

5. नीचे दिये प्रत्येक कालम में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक के अंकों को उसी क्रम में शब्दों में लिखा जाए :-

[illegible]	nine	four	three	two	three	three	zero	six

पर्यवेक्षक / केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरक उत्तरपुस्तिका ली गई है :-

क :- संख्या शब्दों में one अंकों में 1

ख :- परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कक्ष क्रमांक 14 में है।

ग :- उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र का कोड नम्बर एवं सेट सही लिखा है।

हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक) [signature]

नाम ______ पद ______

पता / संस्था [handwritten]

परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरक उत्तर पुस्तिकायें, मुख्य उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न हैं।

हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष

BSEMP

परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा है कि वे पृष्ठ भाग पर दिये गये निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चित करेंगे।

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार संलग्न पूरक उत्तर पुस्तिकाओं चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन किया गर पुस्तिका के अन्दर के अंक एवं कव्हर पृष्ठ पर दर्शाये अंक एक समान है

हस्ताक्षर (परीक्षक) [signature] हस्ताक्षर (उपमुख्य परीक्षक) हस्ताक्षर (मुख्य परीक्षक)

परीक्षक क्रमांक 978-491 दिनांक [signature] दिनांक 9-4-09

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक/विषय/माध्यम/दिनांक एव प्रश्न–पत्र का कोड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :–

1	8	2	4	3	9	5	6	8
एक	आठ	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोड़ें। भूल से छूटा/रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को क्रास किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय ही, कव्हर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम में उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरक उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 25 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्राफ्ट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों को मिलान कर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

③ योग पूर्व पृ

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

उत्तर 1 राम-भक्ति शाखा

उत्तर 2 महाफल

3.3 घनश्याम

महावीर प्रसाद द्विवेदी

शृंगार

निम्नलि प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य या एक शब्द में दीजिए

उ. चार दिन

उ भारतेन्दु जी

अमितभाषी

चीज कम चाहने वाले अधिक।

3.5 समयाभाव का बहाना बनाने वाले उन्नति के शिखर तक नहीं पहुँचते

प्रश्न 3. स्तम्भ 'क' से 'ख' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए -

	क	ख
1-	इस नदी की धार में	दुष्यन्त कुमार
2.	तुम वही दीपक बनोगे	दिवाकर वर्मा
3.	हर्ष, विस्मय घृणा खुशी, शोक, करुणा आदि भावों के लिए प्रयुक्त किया जाता है	विस्मयादिसूचक चिन्ह
4.	मजदूरी और प्रेम	सरदार पूर्णसिंह
5.	क्षणिक का विलोम शब्द है	शाश्वत

BSEMP

प्र.4. सत्य / असत्य का चयन कीजिए :

स्मरण में कल्पना तत्व प्रधान होता है। (असत्य)

'साये में धूप' दुष्यन्त कुमार का ग़ज़ल संग्रह है। (सत्य)

(iii) 'नववर्ष मंगलमय हो' इच्छावाचक वाक्य है। (सत्य)

(iv) 'कर्मवीर' कविता में ओज गुण है। (सत्य)

(v) अर्थ के आधार पर वाक्यों को दस भागों में बाँटा जाता है। (असत्य)

प्रश्न सही विकल्प चुनकर लिखिए-

(i)
उ.(ख) संस्कृति की साधना

(ii)
उ.(ग) आस्थावादी

(iii)
उ.(ख) दो

(iv)
उ.(ग) दादाजी को

(v)
उ.(ग) श्रम से

BSEMP

6

योग पूर्व पृष्ठ　　पृष्ठ 6 के अंक　　कुल अंक

प्रश्न. 6.

उत्तर. 6. कर्मवीर कविता द्विवेदीयुगीन कवि श्री अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' जी द्वारा रचित ओजगुण की प्रसिद्ध कविता है।

कर्मवीर मनुष्य की विशेषताएँ निम्नलिखित है -

1. वे परिश्रमी व साहसी होते हैं।

2. कर्मवीर मनुष्य भाग्य के भरोसे नहीं बैठते।

3. वे किसी भी कार्य को आरंभ करने पर बीच में नहीं छोड़ते।

4. वे कठिनाईयों में भी घबराते नहीं है।

वे असंभव को संभव कर देते है और संकट हँसते हुए उसका सामना करते है।

B S E M P

प्र. 7

उ. 7 गजलकार दुष्यन्त कुमार की कविता इस नदी की धार में एक आशावादी कविता है। वे निराशा, हताशा के बीच सुखद व अनुकूल ही उसका केन्द्रीय भाव है।

कवि ने आदमी की पीर की तुलना निलि

(7)

योग पूर्व पृष्ठ

से की है -

1- भीगी हुई बाती ।

2- जंगली फूल सी ।

3- खण्डहर की हृदय - सी ।

प्रेयिन मैदान में लेटी हुई नदी से ।

व जर्जर ही सही ।

BSEMP

प्रश्न 8. 3.8.

'शबरी' कविता में डॉ. प्रेम भारती ने श्रीराम की सरल सरस व भक्तवत्सल छवि का वर्णन किया है।

शबरी ने अपनी कुटिया पर आए राम और लक्ष्मण को पहले स्वच्छ मृगचर्म के आसन पर बैठाया और फिर मीठे - मीठे बेर खाने के लिए दिए जिन्हें वह जंगल से बीन कर लाई थी । वह बड़े प्रेमभाव से उन्हें बेर खिलाकर अपने जीवन को धन्य समझ रही थी । उसकी इच्छा थी कि वह राम और लक्ष्मण को मीठे-मीठे बेर खिलाए। इस प्रकार उसने श्रीराम व लक्ष्मण का सत्कार किया।

अंकों का योग

कुल अंक

प्र.1 'अशोक का हृदय परिवर्तन' उपन्यास अंश यशपाल द्वारा रचित है। इसमें अशोक के बारे में बताया गया है।
सम्राट अशोक कलिंग युद्ध के उन्माद से ग्रस्त था। उसकी आक्रमकता हिंसक थी।
कलिंग युद्ध के पश्चात वह महान शासक के रूप में इतिहास में पहचाना गया।
उसके चरित्र की विशेषताएँ इस प्रकार है:-

1- कुशल योद्धा :- सम्राट अशोक वीर होने के साथ - साथ कुशल योद्धा भी था। बड़े -बड़े भी उसके सामने टिक नहीं पाते थे।

2. गुणग्राही :- वह गुणग्राही था। गुणियों का सम्मान करना उसे अच्छी तरह आता था।

3. स्त्रियों के प्रति आदरभाव :- सम्राट अशोक स्त्रियों का पूरा सम्मान करता था। कलिंग की महारानी अमिता के सामने भी उसका यही आदरभाव लेकर हुआ।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

५ - दृढ़निश्चयी :- वह धीर होने के साथ-साथ दृढ़-निश्चयी भी था। उसने प्रतिज्ञा की कि वह हिंसा और युद्ध का मार्ग छोड़ देगा और उसने पूरा निभाया भी। उसने सदा के लिए हिंसक वृत्ति का त्याग कर दिया और अपना शेष जीवन धर्म व शांति के प्रचार के लिए समर्पित कर दिया। जीवन में फिर कभी उसने शस्त्र नहीं उठाए।

प्र.10

उ.10 वृद्ध महिला ने कवि माघ और राजा भोज से कहा कि "विद्वता की शोभा अहंकार नहीं विनम्रता है।" विद्वान व्यक्तियों के आचरण से शालीनता प्रकट होनी चाहिए। कवि माघ को अपने पांडित्य का अभिमान था। वे महाज्ञानी थे किन्तु विनम्रता उनमें नहीं थी और वृद्धा के पास ज्ञान और विनम्र व्यवहार दोनों ही थे इसलिए उन्हें उसके सामने लज्जित होना पड़ा। विनम्र व्यवहार और शालीनता ही विद्वानों की शोभा है।

BSEMP

प्र.11 श्री राम शर्मा आचार्य द्वारा रचित निबंध "हँसिए और स्वस्थ रहिए" में उन्होंने बताया है कि हँसना मानव जीवन की सफलता के लिए आवश्यक है।

प्रसन्नचित्त व्यक्ति की ओर सभी लोग आकर्षित होते हैं क्योंकि प्रसन्नता एक दैवीय चेतना है। प्रसन्न व्यक्ति के संपर्क में आते ही उदासी खिन्नता और अप्रसन्नता का भाव दूर चला जाता है। उनके पास हम अपना दुःख दर्द भूल जाते हैं और सुख और शान्ति का अनुभव करते हैं। प्रसन्न रहने वाला व्यक्ति ईश्वर का देव-दूत होता है जो संसार में दुख कम करने के लिए भेजा गया होता है।

B
S
F

प्र.13.
(क)
(अ)
उत्तर- हमारे देश की सरकार ईमानदार है।

(स) भवदीय।

(ब)
3(ब) कश्मीर की सुन्दरता मनमोहक है।

योग पूर्व पृ० | पृ० प्राप्तांक | कुल अंक

मध्यप्रदेश

(ख)

अशुद्ध शब्द	शुद्ध शब्द
उज्जैनी	उज्जयिनी
ज्योतसना	ज्योत्सना

प्र.14.
(क)

शब्द	पर्यायवाची शब्द
फूल	पुष्प , कुसुम
आकाश	नभ , गगन

(ख)

शब्द	विलोम शब्द
उपकार	अपकार
लाभ	हानि

BSEMP

प्र.15
(क)

संधि	संधि-विच्छेद	संधि का नाम
सूर्योदय	सूर्य + उदय	स्वर संधि
महात्मा	महा + आत्मा	स्वर संधि

(२ब)

समास	समास - विग्रह	समास का नाम
माता - पिता	माता और पिता	द्वन्द्व समास
रात - दिन	रात और दिन	द्वन्द्व समास

प्र. 12

BSEMP

उपन्यास :-

मुंशी प्रेमचन्द का कथन है—

" मैं उपन्यास को मानव - जीवन का चित्र समझता हूँ। उसके रहस्यों पर प्रकाश डालना और खोजना ही उपन्यास का मूल तत्व है।

उपन्यास लेखन तो भारतेन्दु युग से ही प्रारंभ हो गया था परन्तु प्रेमचन्द के उपन्यासों ने अभूतपूर्व व्यापकता और गंभीरता प्राप्त की।

उपन्यास तीन प्रकार के होते हैं -

1- घटना प्रधान
2- चरित्र प्रधान
3- नाटकीय

मध्यप्रदेश

उपन्यास के छः तत्व होते हैं –

1 कथावस्तु
2 कथोपकथन
3 चरित्र - चित्रण
4 देशकाल और वातावरण
5 उद्देश्य
6 शैली

श्री प्रेमचन्द के दो उपन्यास इस प्रकार हैं
1 कर्मभूमि
2 गबन

BSEMP

18 प्रश्न निम्नलिखित अपठित गद्यांश के उत्तर लिखिए –
सम्भवत : . . . . गरीयसी ।

(अ)
(अ) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक – 'माँ' है।

(ब)
मनुष्य को संसार से परिचित उसकी माँ करती है। माँ विधाता के समान है जो हमें संसार से परिचित कराती है।

'स'
3.'स' माँ और मातृभूमि संसार के किसी भी देश, किसी भी भाषा सभी में वन्दनीय अर्थात् वन्दना करने योग्य है। माँ और मातृभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर है।

प्र.19. नि. लि अपठित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए -
' तुम . . . . होगे।'

'अ'
3.अ उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक- 'युवावर्ग' है।

(ब)
3.(ब) युवावर्ग देश के सौभाग्य को अपने खून से लिख सकता है, देश की समृद्धि को बढ़ाकर उसको नई तस्वीर दे सकते है। वे शत्रु को पराजित कर सकते है। कवि ने युवावर्ग से आशा की है कि वे देश का हित करेंगे।

स युवावर्ग शत्रुओं को पराजित कर अर्थात् उनके कलेजे को चीर सकता है।

BSEMP

(15)

प्र २०

प्रार्थना - पत्र

प्रति,
श्रीमान प्राचार्य महोदय,
श्री गुरु तेग बहादुर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय,
शास्त्री नगर, रतलाम (म.प्र)

विषय :- विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हेतु प्रार्थना-पत्र ।

आदरणीय महोदय,
विनम्र निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय की दसवीं कक्षा की छात्रा हूँ। मेरे पिताजी का स्थानान्तरण भोपाल हो गया है। मैं भी मेरे परिवार के साथ भोपाल जा रही हूँ। मुझे वहाँ के विद्यालय में प्रवेश लेने हेतु स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र की आवश्यकता पड़ेगी। अतः आप शीघ्र मुझे प्रमाण-पत्र देने का कष्ट करें।

कष्ट के लिए क्षमा।

धन्यवाद,

दिनांक:- १९/०३/०९

आपकी आज्ञाकारी छात्रा
क.ख.ग

B S E M P

पृष्ठ न

प्र.17. "पायो . . . . . . गायो।"

शब्दार्थ :- रतन - रत्न, अमोलक - अनमोल, हरखि - हर्ष, जस - यश, सत - सत्य, खेवटिया - नाव खेने वाला

संदर्भ :- प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य-पुस्तक 'वासंती' के 'मीरा के पद' से उद्धृत है। इसकी रचयिता मीराबाई है।

प्रसंग :- प्रस्तुत पद्यांश में कवयित्री ने रामरूपी अनमोल धन के बारे में बताया है।

व्याख्या :- कवयित्री कहती है कि मुझे मेरे सतगुरु की कृपा से राम नाम रूपी धन प्राप्त हो गया है। यह धन अनमोल है क्योंकि इससे सभी प्रकार के सांसारिक बंधन समाप्त हो गये है। दूसरी बात इसे न तो चोर चुरा सकता है और न ही ये खर्च करने पर घटता बल्कि ये तो खर्च करने पर बढ़ता ही जाता है। यह गुम भी नहीं हो सकता है। वे कहती है कि मेरी सत्य की नाव को खेने वाले सतगुरु है। सतगुरु की कृपा ईश्वर के समान अद्वितीय

BSEMP

और दया का सागर होती है मीरा के प्रभु पर्वत को धारण करने वाले श्रीकृष्ण है वे खुश हो-होकर इस धन के यश का गान कर रही है।

विशेष :-

1- शुद्ध खड़ी बोली का प्रयोग किया गया है।
2- राजस्थानी शब्दों की प्रचुरता है।
3- शान्त रस का प्रयोग किया गया है।
4- पद छंद का प्रयोग किया गया है।
रूपक एवं अतिश्योक्ति अलंकार का प्रयोग सुन्दर है।

B S E M P

प्र.16

"कुटुम्ब एक महान वृक्ष है। छोटी-बड़ी सभी डालिएं उसकी छाया को बढ़ाती है।" यह कथन पूर्णतः सत्य है। दादाजी कहते है कि उनका परिवार वृक्ष के समान है और उसके सभी सदस्य उसकी डालियों के समान। जिस प्रकार वृक्ष की सुखद व शीतल छाया पंछियों व लोगों को आश्रय देती है उसी प्रकार मुखिया के संरक्षण में परिवार के सभी सदस्य एकता व प्रेम के साथ रहते है। दादाजी के परिवार में

पृष्ठ के अंको का योग

बेटे, बहुएं, पोते व पड़ोह सभी है।
दादाजी को जब बेला के अलग होने के
पता चलता है तो वे मनोवैज्ञानिक तरीके से
उसके अहम को शांत करने का फैसला लेते है
वे समझ जाते है कि आधुनिक परिवार की
शिक्षित बहू परिवार के सदस्य से ताल-मेल
नहीं बना पा रही है तो वे अपने पोते परेश
से कहते है कि वह बेला के साथ जाकर
उसकी पसन्द का नया फर्नीचर उसे दिलवा
दे। तो इस प्रकार परिवार टूटने से
बच जाता है। इस प्रकार हम कह सकते
है कि वृक्ष केवल ठूंठ रह जाता है जब
उसकी डालियां अलग हो जाती है।

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

प्र.21

निबंध

आतंकवाद : कारण और निदान

रूपरेखा :-

(1) प्रस्तावना : राष्ट्रीय एकता में कमी

(2) आतंकवाद के कारण
(क) राजनीतिक दलों का हस्तक्षेप
(ख) पड़ोसी देश से वैमनस्य
(ग) बेरोजगारी

(3) आतंकवाद से हानियाँ
(क) जन (ख) धन (ग) वायु प्रदूषण

(4) भारत में आतंकवाद की समस्या।

(5) आतंकवाद का निदान
(क) कठोर कानून द्वारा
(ख) रोजगार प्रदान।

(6) उपसंहार

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

1.

प्रस्तावना :-

आतंकवाद अर्थात् शब्द से ही ज्ञात होता है आतंकी हमले द्वारा खलबली मचा देना। आतंकवाद आज कुछ सालों में एक विकराल समस्या बन गई है लोग कभी अपने स्वार्थ के लिए तो कभी किसी की फिरौती के रूप में तो कभी राजनेताओं की सभाओं मे जाकर हमले करने लगते है। आतंक मचाते है इससे केवल मनुष्य के चरित्र का पतन ही नहीं बल्कि धन और जन दोनों को ही हानि होती है। कई निरपराध लोगों की मौत हो जाती है। कोई विधवा हो जाती है तो किसी का बेटा छोड़ जाता है। आतंकवाद से हमारी राष्ट्रीय एकता प्रभावित होती है। हमारी एकता पर खतरा बढ़ने लगता है। आतंकवाद की समस्या कौ कई कारण भी है और उन्हें रोकने के लिए निदान जो आवश्यक है उन्हें भी पालन करना जरूरी है जिससे हमारी राष्ट्रीय एकता में कमी न आए और इस समस्या से मुक्ति मिल सके।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ

"आतंकवाद एक ऐसी बिमारी है जिस पर रोक पाना अत्यंत कठिन है।"

२- आतंकवाद के कारण :-

आतंकवाद के जो मुख्य कारण हैं उनका विस्तार इस प्रकार है -

1- राजनीतिक दलों का हस्तक्षेप :-

कुछ राजनीतिक नेता चुनाव के समय खुद को विजय बनाने के लिए दुसरे राजनेता की सभाओं में दंगे करवा देते हैं। जिससे लोगों के प्रति उसका महत्व कम हो जाता है। वे मारपीट करते हैं, धर्म के नाम पर एक दूसरे को भड़का देते है, कांच फोड़ते है, व अन्य कोई। इससे जन और धन दोनों की ही हानि होती है। वे अपना स्वार्थ सिद्ध करने के लिए ये भी नहीं देखते कि इसमें कितने लोगों को नुकसान पहुँच रहा है।

2- पडोसी देश से वैमनस्य :- भारत का पडोसी देश मतलब पाकिस्तान। भारत और पाकिस्तान में कभी काश्मीर को लेकर झगड़े हुए हैं तो कभी पंजाब को लेकर।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

− + [ ] = [ ]

पृष्ठ 22 के अंक　कुल अंक

अगर हम अपने ही पड़ोसी देश से वैमनस्य रखेंगे तो आर्थिक परेशानी में हमारी कौन मदद करेगा।

पाकिस्तान ने हम पर कई बार हमले किए हैं। अभी हाल ही में मुम्बई की घटना ने पूरे देश को हिला कर रख दिया। हमें आपसी वैमनस्य को छोड़कर मिल-जुलकर, एकता व भाईचारा के साथ रहना चाहिए।

आतंकवाद से हानियाँ :-

आज आतंकवाद इतना बढ़ चुका है कि इसने लोगों के मन से विश्वास जैसा शब्द तो बिल्कुल हटा दिया है।

आतंकवाद से जन और धन दोनों की ही हानि होती है। इससे देश की एकता और अखण्डता में कमी आती है। कई निरपराध लोग मारे जाते हैं। कोई अपने बच्चों से जुदा हो जाता है कोई अपनी बहन से, भाई से, माँ से, पत्नि से जुदा हो जाता है। सरकार को घायल व

BSEMP

E3

पृष्ठ के अंकों का योग

पीड़ित के लिए खर्च करना पड़ता है जिसमें देश का वि
अवरुद्ध होता है लोग तो जिसका इंतजार कर रहे होते हैं
वह घर लौटकर ही नहीं आता। परिवार को
संभालने वाला कोई नहीं रहता। परिवार बिल्कुल
अकेला हो जाता। इससे वायु प्रदूषण होता
है। अनेक तत्व वायु में मिल कर वातावरण दूषित
करते हैं।

4- भारत में आतंकवाद की समस्या :-

भारत में आज आतंकवाद
इतना बढ़ गया है कि हर एक दिन
छोड़कर अखबार में कोई न कोई आतंकी
हमले की खबर होती ही है। कभी जयपुर में,
दिल्ली में, बम्बई में तो कभी सूरत
बड़ौदा, रतलाम जैसे इलाकों में सनसनी
की धमकी मिलती है।

हाल ही में हुई बम्बई की घटना जिसमें
ओ ताजा होटल में कितने लोगों को
बंदी बना लिया गया है। था और मांगे की
गई थी। उसमें कितने लोगों की मौत हो
गई। कमांडो की भी मौत हो गई।
कभी मंदिर में जाकर हमला किया
गया तो कभी लोकल ट्रेनों में।

ये कभी तो सचमुच घटित हो
जाती है और कभी अफवाह भी। हाल ही
में रतलाम के स्टेशन पर हमले की धमकी
दी गई थी। और बम की जो अफवाह थी।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

मध्यप्रदेश

5. आतंकवाद का निदान :-

आतंकवाद की समस्या पर रोक लगाना अत्यंत अनिवार्य है।

निदान
- कठोर शासन व्यवस्था
- रोजगार प्रदान

1) कठोर शासन व्यवस्था :-

हम आतंकवाद को कठोर शासन द्वारा भी रोक सकते है। हमारे यहाँ कोर शासन में सजा को इतना महत्व नहीं दिया जाता बल्कि दूसरे देशों में जैसे चाइना, अमेरिका मे इतना कठोर शासन होने के कारण वहाँ आतंकवाद की समस्या उत्पन्न नही होती। हमे हमारे शासन मे परिवर्तन कर आतंकवाद की समस्या से मुक्ति पानी होगी जिससे वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, जन और धन, व राष्ट्रीय एकता को कमजोर होने से रोका जा सके।

2. रोजगार प्राप्ति :- सरकार को बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार प्रदान करना होगा। इसके लिए लघु - उद्योगों

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

2009

25

पु 4 पृष्ठ

माध्यमिक ि ल

लिये
स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

1. केन्द्र की सील 432030
2. पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर व दिनांक
3. केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर की सील
4. केन्द्र क्रमांक
6. परीक्षा का नाम High School
7. विषय Hindi 8. माध्यम English
8. दिनांक 19/03/09
पृष्ठ

उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमांक 680369

1. परीक्षार्थी का अनुक्रमांक (अंग्रेजी अंकों में)

1	9	4	3	2	3	3	0	6

2. नीचे दिये प्रत्येक कालम में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक के अंकों को उसी क्रम में शब्दों में लिखा जाए –

one	nine	four	three	two	three	three	zero	six

को बढ़ावा देना होगा। हमारी शिक्षा प्रणाली को रोजगारोन्मुख बनाना होगा। जिससे व्यक्ति रोजगार द्वारा अपने परिवार का जीवन यापन कर सकें। और उसमें आतंकवाद की प्रवृत्ति उत्पन्न ही न हो।

उपसंहार :– जिस प्रकार दहेज समाज का कलंक है उसी प्रकार आतंकवाद की समस्या एक राष्ट्रीय कलंक है। इससे निदान पाना अत्यंत आवश्यक है। यह आज की एक ज्वलंत समस्या है। कठोर शासन व्यवस्था, रोजगारोन्मुख शिक्षा प्रणाली आदि के द्वारा इस समस्या का समाधान किया जा सकता है। लोगों में नैतिक मूल्यों, एकता, भाईचारा का विकास किया जाना चाहिए। यह एक गंभीर समस्या है।

"देश में बढ़ रहा प्रतिदिन आतंकवाद बढ़ रा
यही है हमारे देश की सबसे विकराल

BSEMP

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

③

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 3 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

④ [ ] योग पूर्व पृष्ठ + [ ] पृष्ठ 4 के अंक = [ ] कुल अंक

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग